जिलाधिकारी एवं जिला विकास कार्यों की समीक्षा

आलोक कुमार वर्मा

जिलाधिकारी के द्वारा जिले के विकास में अत्यन्त प्रभावशाली भूमिका का सम्पादन किया जाता है। वह जिला प्रशासन का ऐसा महत्वपूर्ण अधिकारी है; जो विकास प्रशासन से सम्बन्धित जिले के समस्त अभिकरणों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों के कार्यों में पर्याप्त नियंत्रण एवं समन्वय की स्थापना करके, उनको जिले के समग्र विकास की दिशा में अग्रसर करता है। जिले के विकास में जिलाधिकारी के अतिरिक्त जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी प्रभावशाली भूमिका का निर्वहन किया जाता है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की स्थापना तथा पंचायतीराज संस्थाओं के आविर्भाव ने विकास कार्यों के संदर्भ में जनप्रतिनिधियों की भूमिका को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। इसलिए जिलाधिकारी के द्वारा जिला विकास के संदर्भ में नीतियों के निर्धारण करने तथा उनके क्रियान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों का पर्याप्त सम्मान किया जाता है, परन्तु जिले में कभी–कभी विकास कार्यों की प्राथमिकताएँ तय करने तथा उनके क्रियान्वयन की विधि के सम्बन्ध में जिलाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के बीच गम्भीर मतभेद उत्पन्न हो जाते हैं, जिससे जिले के विकास कार्यों के सम्पादन में जिलाधिकारी की भूमिका पर विपरित प्रभाव पड़ता है तथा विकास कार्य, जनहित की आवश्यकता के अनुरूप नहीं हो पाता। यद्यपि सर्वांगीण विकास एक कठिन कार्य है, जिसे एक दिन में पूर्ण नहीं किया जा सकता, फिर भी प्रशासन को जनहित के प्रति संवेदनशील एवं उत्तरदायी बनाकर तथा जनपद में शान्ति व्यवस्था से युक्त अनुकूल वातावरण का सृजन करके विकास की गति को तीव्र किया जा सकता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास का श्रेय मुख्य रूप से प्रशासनिक सेवाओं के बेहतर निष्पादन को जाता है।